खास खबरें

भाजपा में आते ही जितिन को मंत्री पद का प्रसाद, ब्राह्मण चेहरे पर दांव खेलने की तैयारी!

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल यानी 2022 में होना है, लेकिन सियासी घमासान लगभग छिड़ चुका है। इसका नतीजा यह है कि भारतीय जनता पार्टी में ही सबसे ज्यादा उठापटक चल रही है। इसके मद्देनजर सीएम योगी को आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ गया। इस बीच उत्तर प्रदेश में कैबिनेट विस्तार पर भी अटकलें लगने लगी हैं। कहा जा रहा है कि दो दिन पहले कांग्रेस से भाजपा में आए जितिन को मंत्री पद का प्रसाद मिल सकता है। उन्हें जुलाई में एमएलसी बनाया जा सकता है। इसके अलावा पूर्व आईएएस अरविंद कुमार शर्मा को भी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में जुलाई के दौरान पांच सीटों के लिए एमएलसी चुनाव होने हैं। माना जा रहा है कि जितिन प्रसाद को इनमें से एक सीट पर एमएलसी बनाया जा सकता है। दरअसल, भाजपा को उत्तर प्रदेश में काफी समय से कद्दावर ब्राह्मण चेहरे की तलाश थी। माना जा रहा है कि यह तलाश जितिन प्रसाद के रूप में खत्म हो रही है।

यूएस में हर 2 में से 1 भारतीय-अमेरिकी भेदभाव का हुआ शिकार: सर्वेक्षण

वॉशिंगटन। पिछले एक सालों में दो में से एक भारतीय-अमेरिकी के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया गया है। ये खुलासा एक नई स्टडी में हुआ है। यह अध्ययन कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, जॉन्स हॉपकिन्स-एसएआईएस और पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। सर्वेक्षण का शीर्षक सोशल रिएलिटीज ऑफ इंडियन अमेरिकंस = रिजल्ट्स फ्रॉम द 2020 इंडियन अमेरिकन एटीट्यूड्स सर्वे रखा गया था। बुधवार को जारी यह ऐसा तीसरा सर्वेक्षण है, जो भारतीय-अमेरिकियों के सामाजिक, राजनीतिक और विदेश नीति के दृष्टिकोण पर आधारित है। यह भेदभाव सबसे अधिक त्वचा के रंग के आधार पर किया गया। हैरान करने वाली बात यह है कि अमेरिका में पैदा हुए भारतीय मूल के अमेरिकियों ने देश से आए अपने समकक्षों के मुकाबले इस भेदभाव का अनुभव अधिक किया। अध्ययन के निष्कर्ष अमेरिका में 1,200 भारतीय-अमेरिकी निवासियों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित थे। यह रिसर्च एंड एनालिटिक्स फर्म यूगव के साथ साझेदारी में 1 सितंबर से 20 सितंबर, 2020 के बीच आयोजित किया गया था। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि भारतीय-अमेरिकी अधिकतर अपने समुदाय में ही शादी करते हैं। स्टडी के मुताबिक, दस में से आठ उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके पति या पत्नी भारतीय मूल के हैं। अमेरिका में पैदा होने वाले भारतीय-अमेरिकी ऐसे लोगों को जीवनसाथी के तौर पर चुनते हैं, जो भारतीय हो और जिनका जन्म अमेरिका में हुआ हो।

कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट को मनाने की कोशिश की

सियासी हलचल: नाराज पायलट को मनाने में जुटीं प्रियंका, जल्द ही दिल्ली आएंगे पूर्व उपमुख्यमंत्री

नई दिल्ली

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को अपने गुट के विधायकों के साथ बैठक कर राज्य में सियासी सरगर्मियां तेज कर दी। ऐसे इसलिए कि पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जितिन प्रसाद भाजपा में शामिल हो गए। उसके बाद अटकलें तेज हो गई कि सचिन पायलट भी कांग्रेस को अलविदा कह सकते हैं। हालांकि सचिन पायलट और उनके समर्थकों की ओर से कोई बयान नहीं जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि सुलह कमेटी की रिपोर्ट को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट नाराज हैं। कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट को मनाने की कोशिश की है, इसी कड़ी में गुरुवार की देर रात कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने फोन कर उनसे बातचीत की। इसके अलावा कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी उन्हें मनाने की कवायद में जुटे हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सचिन पायलट शुक्रवार को दिल्ली पहुंच सकते हैं। इससे पहले अपने

पिता (राजेश पायलट) की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए वह दौसा पहुंच कर नमन किया। गुरुवार को जयपुर में सचिन पायलट के नेतृत्व में करीब आधा दर्जन विधायकों की बैठक बुलाई गई थी।

बताया जा रहा है कि सुलह कमेटी को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच लंबे समय से मतभेद चल रहा है, लेकिन यह अब धीरे-धीरे खुलकर सामने आने लगा है। वहीं पिछले दिनों सचिन पायलट गुट के इस्तीफा देने वाले विधायक हेमाराम चौधरी भी आज विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी से मिलेंगे। विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा था कि व्यक्तिगत मिलने के बाद ही इस्तीफा स्वीकार करने का फैसला लिया जाएगा।

पायलट समर्थक विधायकों ने मुद्दों के समाधान में देरी पर नाराजगी जताई

गुरुवार को पायलट समर्थक विधायकों ने उनके द्वारा उठाये गए मुद्दों के समाधान पर देरी पर नाराजगी जताई है। पायलट के करीबी करीब आधा दर्जन विधायकों ने सिविल लाइन्स स्थित उनके निवास पर उनसे मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार इससे पूर्व दिन में पूर्व मंत्री विश्वेन्द्र सिंह की पायलट से मुलाकात के बाद विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, मुकेश भाकर और रामनिवास गवारिया पायलट से मिले। विधायक राकेश पारीक भी पायलट के निवास पर पहुंचे।

चाकसू (जयपुर) से विधायक सोलंकी ने कहा कि हम सब अपनी आवाज पार्टी की मजबूती के लिए उठा रहे है। जो पार्टी के प्रति हमारी निष्ठा पर सवाल उठाते है, वे पार्टी के शुभचिंतक नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान को पायलट को सुनना चाहिए और पंजाब की तर्ज पर मामले का समाधान करना चाहिए।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, पंजाब में (नवजोत) सिद्धू की सुनवाई 10 दिन के अंदर हो गई लेकिन राजस्थान में 10 महीने के बाद भी सचिन पायलट द्वारा उठाये गए मुद्दों का समाधान नहीं हुआ। जब पंजाब में सिद्धू को 10 दिन में सुना जा सकता है।। पायलट को क्यों नहीं

वहीं कांग्रेस बढ़ती महंगाई के खिलाफ आज देशव्यापी आंदोलन कर रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार पायलट जयपुर में इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं हालांकि अभी इस तरह का कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

हमारा अभियान पूरा हुआ, अल-कायदा पर रहेगी नजर: ऑस्टिन

नई दिल्ली

अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि अफगानिस्तान में अमेरिका का अभियान पूरा हो गया है और उनका विभाग देश से 'अपने लोगों और साजो सामान को बाहर निकालने' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रैल में एलान किया था कि अफगानिस्तान से इस साल 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा। बजट प्रस्ताव पर सुनवाई के दौरान ऑस्टिन ने संसद की सशस्त्र सेवा समिति को बताया कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने काफी साजोसामान निकाले हैं।

उन्होंने कहा, 'हम अभी काफी कुछ चीजें कर रहे हैं। खुफिया, निगरानी और सैनिक सर्वेक्षण मिशन जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) से भेजे जा रहे हैं, हमारे कई युद्धक विमान अभियान खाड़ी से चलाए जा रहे हैं।' रक्षा मंत्री ने कहा कि 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के लिए उन्हें वहां से निकालने की प्रक्रिया चलती रहेगी। ऑस्टिन ने कहा, 'राष्ट्रपति का साफ मानना है कि अफगानिस्तान में हमारा अभियान पूरा हो गया है। हम अपने लोगों और साजो सामान को बाहर निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आगे आतंकवाद के खिलाफ हमारे प्रयास उन चरमपंथियों पर केंद्रित होंगे जो हमारे देश पर हमला कर सकते हैं।'

सरकार को समर्थन देता रहेगा अमेरिका

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी अफगानिस्तान के लोगों के साथ अच्छा और सार्थक रिश्ता रखना चाहता है। उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उनकी सेना को वित्त पोषण मुहैया कराते रहें और उनकी सरकार को भी समर्थन देते रहें। यह समर्थन इस लिहाज से भी अहम है कि सरकार काम करने में सक्षम हो और सेना का प्रभाव बरकरार रहे। आतंकवाद के खिलाफ हमारा अभियान अल-कायदा पर केंद्रित है और हमें विश्वास है कि हमारे पास अभियान जारी रखने का अधिकार होगा।'

हमारा पानी हमें ही मिलेगा: शाहपुर कंडी परियोजना के नवंबर 2022 तक चालू होने की उम्मीद

जम्मू

जम्मू-कश्मीर और पंजाब की सीमा पर तैयार हो रही शाहपुर कंडी परियोजना के नवंबर 2022 तक चालू होने की उम्मीद है। यह भारत की आजादी के 75 वें वर्ष को चिह्नित करने वाली प्रमुख घटनाओं में से एक होगा। इसका उद्देश्य भारतीय क्षेत्र में रावी नदी के पूरे पानी का उपयोग करना है, जिसका बड़ा लाभ कठुआ जिले को मिलने वाला है। परियोजना के पूरा होने पर जम्मू संभाग का कम सिंचित क्षेत्र जिसे कंडी बेल्ट के रूप में जाना जाता है, वह कंडी के रूप में नहीं जाना जाएगा। ये बातें केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि (इंडस वॉटर ट्रीटी) को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। इसके तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों व्यास, रावी और सतलुज के पानी पर नियंत्रण दिया गया, जबकि पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, चिनाब और झेलम पर नियंत्रण दिया गया। भारत के हिस्से की रावी नदी का पानी पाकिस्तान में बहता रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप ने इस विसंगति को ठीक करने का काम किया और सही मायनों में सिंधु जल संधि पर काम शुरू हो पाया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इसे समझ की कमी कहेंगे कि जब भी सीमा पार से गोलीबारी होती थी या पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंध होते, तो क्षेत्र के कई नेता तुरंत पाकिस्तान में बहने वाले पानी का प्रवाह रोकने की बात कह देते थे, लेकिन वे इस तथ्य से अनजान थे कि बांध के बिना भारत का अधिकांश पानी पाकिस्तान में बह रहा है। कहा कि जैसे ही इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संज्ञान में लाया गया, उन्होंने परियोजना के तत्काल पुनरुद्धार के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया।

उन्होंने कहा कि परियोजना के पूरा होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में कठुआ और सांबा के सीमावर्ती जिले और पंजाब में पठानकोट और गुरदासपुर जिले सिंचाई और बिजली की पर्याप्त उपलब्धता के साथ मुख्य लाभार्थी होंगे।

पाकिस्तान में अहमदी समुदाय के 40 लोगों पर लगा आतंकवाद का आरोप, घर छोड़कर भागे लोग

इस्लामाबाद

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर होने वाला अत्याचार किसी से छिपा नहीं है। यहां हिंदू, ईसाई और सिख धर्म के लोगों के साथ-साथ अहमदिया समुदाय के साथ भी काफी भेदभाव होता है। अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से खबर आई है कि यहां अहमदी समुदाय से संबंध रखने वाले 40 सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हैरानी इस बात की है कि इन लोगों पर आतंकवाद का आरोप लगा है। जानकारी के मुताबिक अपने समुदाय की एक महिला के अंतिम संस्कार को लेकर इस्लामियों के समूह के साथ हुई कहासुनी को लेकर आतंकवाद के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है।

घटना छह जून को लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखपुरा जिले के सफदराबाद के मौजा फैकलई में हुई जबकि इस्लामियों के एक समूह ने अहमदी समुदाय को मृतक का अंतिम संस्कार 'गैर-मुस्लिम' कब्रिस्तान में करने को मजबूर किया। इलाके में अब भी तनाव है और अधिकतर स्थानीय अहमदी इस्लामियों के हमले के डर से अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। अहमदी समुदाय के अनुसार, स्थानीय मौलवियों ने सफदराबाद में मस्जिदों में घोषणाएं कीं, जिसमें लोगों को मुस्लिम कब्रिस्तान में अहमदी महिला को दफनाने की अनुमति नहीं देने के लिए उकसाया गया। समुदाय के अनुसार, 'धार्मिक समूह के लोगों ने अंतिम संस्कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन महिला को दफना दिया गया। समूह के सदस्यों ने अपने कब्रिस्तान से शव को हटाने पर जोर दिया, जिसके कारण अहमदियों और एक धार्मिक समूह के सदस्यों के बीच हाथापाई हुई।' पुलिस ने महिला के अंतिम संस्कार को लेकर हुए झगड़े के संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कीं। इनमें से एक प्राथमिकी अहमदी समुदाय के खिलाफ और दूसरी धार्मिक समूह के 20 सदस्यों के विरुद्ध दर्ज की गई।

कोवैक्सिन को अमेरिका में आपातकालीन इस्तेमाल के लिए नहीं मिली मंजूरी, करना होगा और इंतजार

नई दिल्ली

स्वदेशी वैक्सीन निर्माता कंपनी भारत बायोटेक को अमेरिका में इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। अमेरिका ने अभी कोवाक्सिन के इमरजेंसी इस्तेमाल पर मंजूरी ना देने का फैसला किया है। अमेरिकी फूड और एडमिनिस्ट्रेशन यानी एफडीए ने भारत बायोटेक की कोवैक्सीन टीके के आपातकालीन इस्तेमाल के आवेदन को खारिज कर दिया है।

अब इससे कंपनी को अमेरिका में अपनी वैक्सीन को लॉन्च करने के लिए और थोड़ा इंतजार करना होगा। बता दें कि कुछ दिनों पहले कोवाक्सिन के लिए अमेरिकी साझेदार ऑक्यूजेन ने अमेरिकी दवा नियामक एफडीए के पास मास्टर फाइल भेजकर इस टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मांगी थी।

अमेरिका ने एक और परीक्षण की मांग की

ऑक्यूजेन ने कहा कि कंपनी अमेरिका से कोवाक्सिन की पूरी मंजूरी मांगेगी। बता दें कि अमेरिका कंपनी को एक और अतिरिक्त परीक्षण शुरू करने के लिए कह रहा है, ताकि कंपनी एक बायोलॉजिकल लाइसेंस आवेदन (बीएलए) के लिए फाइल कर सके, जो कि एक पूर्ण मंजूरी है।

कोवाक्सिन को अमेरिका में मंजूरी मिलने में होगी देरी: वहीं एफडीए ने सिफारिश की थी कि ऑक्यूजेन अपनी वैक्सीन के लिए इमरजेंसी यूज ऑथोराइजेशन आवेदन की बजाय बीएलए पर ध्यान दे। इधर ऑक्यूजेन के मुख्य कार्यकारी शंकर मुसुनीरी ने कहा कि इससे भले ही वैक्सीन लाने में देरी होगी लेकिन हम कोवाक्सिन को अमेरिका लाने में प्रतिबद्ध हैं।

ऑक्यूजेन ने एफडीए के पास समीक्षा के लिए प्रीक्लिनिकल अध्ययन, रसायन, विनिर्माण और नियंत्रण और क्लिनिकल अध्ययन के नतीजों को मास्टर फाइल के रूप में भेजा था। बता दें कि भारत बायोटेक ने अभी तक तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल का डाटा साझा नहीं किया है, जिसकी देश में खूब आलोचना हो रही है। कंपनी ने ट्विटर पर जानकारी दी कि अब तक कोवाक्सिन के नौ प्रकाशन हुए हैं और तीसरे चरण-3 ट्रायल की प्रभाविता के बारे में 10वां प्रकाशन होगा।

देश के इलाकों में होने वाली बारिश बिहार-झारखंड में कब पहुंचेगा मॉनसून

मुम्बई। केरल और मुंबई के बाद अब मॉनसून बंगाल, झारखंड से लेकर बिहार तक में दस्तक देने को तैयार है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानूसून अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दिन में पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड के सभी इलाकों तक यह पहुंच जाएगा। माना जा रहा है कि अगले एक- दो दिनों में इन इलाकों में तेज बारिश हो सकती है, क्योंकि परिस्थितियां अभी से ही अनुकूल बनी हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून दक्षिण गुजरात के कुछ और इलाकों, महाराष्ट्र के बचे हुए इलाकों, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दक्षिण मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ और दक्षिण गुजरात भी पहुंच गया है।

विपक्ष के आरोप से फिर बेनकाब हुआ पाकिस्तान

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की मस्जिदों में आतंकवादियों के लिए चंदा इकट्ठा किया जाता है। यह आरोप किसी और ने नहीं बल्कि पाकिस्तान की विपक्षी पार्टी अवामी नेशनल पार्टी ने लगाया है। एएनपी ने इमरान खान सरकार की आतंकियों को समर्थन वाली नीतियों को बेनकाब करते हुए कहा कि देश में बड़े पैमाने पर आतंकियों के लिए चंदा इकट्ठा किया जा रहा है और यह सबकुछ मस्जिदों में हो रहा है। विपक्ष के इस सनसनीखेज आरोप पर फिलहाल इमरान खान खामोश हैं। विपक्षी पार्टी अवामी नेशनल पार्टी ने दावा किया है कि पाकिस्तान की मस्जिदों के जरिए आतंकी संगठन 'अफगान तालिबान' के लिए चंदा इकट्ठा किया जा रहा है। पार्टी ने इमरान सरकार से आतंकियों को मस्जिद के जरिए चंदा देने की इस प्रथा को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए कदम उठाने को कहा है। पाकिस्तान पर शुरू से ही आतंकियों को मदद पहुंचाने और अफगानिस्तान को अस्थिर करने के लिए तालिबान का साथ देने के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में विपक्षी पार्टी का यह आरोप उसके लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है। पूर्व प्रांतीय प्रवक्ता और अवामी नेशनल पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष आइमल वली खान ने सदरुद्दीन मारवात को श्रद्धांजलि देने के लिए बच्चा खान मरकज में आयोजित शोक सभा में बोलते हुए मस्जिदों में इकट्ठा हो रहे चंदे का खुलासा किया।

आप का राशिफल 12 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। शुभांक 3 5 7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-1-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक 3 6 8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

स्पेशल खबर

संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद भी इस उच्च स्तरीय सम्मेलन में भाग लेंगी...

पीएम अगले हफ्ते करेंगे संयुक्त राष्ट्र को संबोधित, पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर करेंगे बात

नईदिल्ली। भारत एक बार फिर मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे पर आयोजित एक वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की वर्चुअल हाईलेवल मीटिंग को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन का मकसद सूखे की समस्या (मरुस्थलीकरण) से निपटना और भूमि के उपजाऊपन या उसकी शक्ति को बढ़ाने के लिए नई योजनाओं पर सहमति बनाना है।

महासभा अध्यक्ष के कार्यालय की तरफ से जारी एक मीडिया एडवाइजरी के अनुसार, मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन के तहत पक्षों की सभा के 14वें सत्र के अध्यक्ष पीएम मोदी 14 जून की सुबह यूएनसीसीडी के समर्थन से महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर की तरफ से बुलाई गई हाईलेवल मीटिंग को संबोधित करेंगे। कॉप-14 सम्मेलन में सदस्य देशों के मंत्री, वैज्ञानिक, सरकारी प्रतिनिधि, गैर-सरकारी संगठन और अलग-अलग सामुदायिक समूह शामिल होंगे। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद भी इस उच्च स्तरीय सम्मेलन में भाग लेंगी।

पीएम मोदी ने किया था 14वें सत्र का उद्घाटन: बता दें कि पीएम मोदी ने सितंबर 2019 में नई दिल्ली में मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दलों के सम्मेलन के उच्च स्तरीय 14वें सत्र का उद्घाटन किया था। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन के कार्यपालक सचिव इब्राहिम थियू ने वीडियो लिंक के जरिए कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या का सबसे अच्छा तरीका मृदा क्षरण को रोकना है। एनसीसीडी एकमात्र अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो पर्यावरण और विकास के मुद्दों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है। मरुस्थलीकरण की चुनौती से निपटने के लिए, अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से हर साल 17 जून को 'विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस' मनाया जाता है।

मरुस्थलीकरण और सूखे की समस्या: आज पूरी दुनिया मरुस्थलीकरण की समस्याओं से जूझ रही है। वनों की अंधाधुंध कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली इंसानी गतिविधियों के कारण धरती लगातार सिकुड़ती जा रही है और उपजाऊ जमीन मरुस्थल में बदलती जा रही है। मरुस्थलीकरण से प्राकृतिक वनस्पतियों का नुकसान तो होता ही है, साथ ही कृषि उत्पादकता, पशुधन और मौसम संबंधी घटनाएं भी प्रभावित होती हैं। अगर इन समस्याओं से जल्द ही न निपटा गया तो दुनिया की एक बड़ी आबादी के सामने रहने, खाने और पानी की कमी की विकट समस्या खड़ी हो सकती है। इन्हीं समस्याओं से निपटने के लिए पूरा विश्व 'संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय' पर सहमत हुआ है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि विश्व स्तर पर, धरती का पांचवां हिस्सा यानी 2 अरब हेक्टेयर से भी ज्यादा भूमि खराब हो चुकी है, जिसमें सभी कृषि भूमि का आधे से ज्यादा हिस्सा शामिल है। इसने करीब 3.12 अरब लोगों की आजीविका को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जो कि वैश्विक आबादी का 40 प्रतिशत है। अगर हम मिट्टी के प्रबंधन के तरीके को नहीं बदलते, तो 2050 तक 90 प्रतिशत से भी ज्यादा जमीन सूखे की चपेट में आ सकती है। ये जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाता है, साथ ही जंगल की आग और कई तरह के संक्रामक रोगों की वजह भी बनता है।